# आईटीओ पर स्काईवॉक और फुट ओवर ब्रिज का उद्घाटन

आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हरदीप एस.पुरी ने आज हंस भवन के नजदीक 'डब्ल्यू' पॉइंट पर सिकंदरा रोड, मथुरा रोड, तिलक मार्ग और बहादुर शाह जफर मार्ग के जंक्शन पर एक स्काईवॉक और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का उद्घाटन किया और इसे दिल्लीवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल, सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, एनडीएमसी के चैयरमेन श्री नरेश कुमार, डीडीए के उपाध्यक्ष श्री तरुण कपूर और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने दिल्ली की सड़कों के भीड़भाड़ से मुक्त करने की योजना के अंतर्गत 'डब्ल्यू' पॉइंट पर भीड़भाड़ कम करने के लिए यूडीएफ के अंतर्गत 54.84 करोड़ रुपये राशि मंजूर की और इस स्थान पर एक स्काईवॉक बनाकर पैदल चलने वालों के लिए आसान और सुरक्षित रास्ता बना दिया।

आईटीओ क्रोसिंग और 'डब्ल्यू' पॉइंट जंक्शन पर पैदल चलने वालों की सबसे अधिक भीड़ रहती है। इस क्षेत्र में 25 से अधिक प्रमुख कार्यालय और अन्य संस्थान स्थित हैं। आईटीओ क्रोसिंग और 'डब्ल्यू' पॉइंट के आसपास विभिन्न सड़कों पर करीब 30 हजार पैदल चलने वाले सड़क पार करते हैं।

विभिन्न सड़कों (तिलक मार्ग, सिकंदरा रोड, बहादुर शाह जफ़र मार्ग और मथुरा रोड) को चारों तरफ प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से जोड़ने के लिए जन सुविधाओँ का विशाल नेटवर्क बनाया गया है। हंस भवन पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण पैदल चलने वालों की आसानी और सुरक्षा के लिए किया गया है। 400 मीटर की लंबाई वाले स्काईवॉक की चौड़ाई 5 मीटर और लूप और रैम्प की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। हंस भवन पर एफओबी की लंबाई 54 मीटर और चौडाई 5 मीटर है। स्काईवॉक और एफओबी का निर्माण स्टील से किया गया है। इसमें ग्रेनाइट की फ्लोरिंग और स्टील की रेलिंग लगाई गई हैं। खिंचने वाली फेब्रिक छत बनाई गई है। स्काईवॉक में 20 यात्रियों की क्षमता वाली 6 लिफ्ट और 16 यात्रियों की क्षमता वाली 1 लिफ्ट लगाई गई है। स्काईवॉक और एफओबी में सोलर पीवी मॉड्यूल, वाईफाई, सीसीटीवी लगे हैं। रोशनी के लिए एलईडी लगाए गए हैं। पूरा स्काईवॉक सीसीटीवी निगरानी में है। क्षेत्र की निरंतर निगरानी के लिए स्काईवॉक के नीचे एक पुलिस बूथ बनाया गया है।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह नई दिल्ली में महिला किसान दिवस समारोह के दौरान प्रकाशक का विमोचन करते हुए। साथ में कृषि और किसान कल्याण तथा पंचायती राज राज्य मंत्री श्री परषोतम रूपाला, सचिव ( डीएआरई ) एवं महानिदेशक ( आईसीएआर ) डॉ त्रिलोचन महापात्रा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी हैं।

# कृतिका ने कास्टिंग डायरेक्टर सिदाना ऊपर लगाया आरोप

**मुंबई ,** भारत में मी टू मूवमेंट में अब तक कई बॉलिवुड् सिलेब्स पर आरोप लग चुका है। अब ऐक्टर कृतिका शर्मा ने कास्टिंग डायरेक्टर विकी सिदाना पर यौन शोषण और रेप की कोशिश का आरोप लगाया है। एक इंटरव्यू में कृतिका ने ५ साल पहले हुई इस घटना के बारे में बताया। कृतिका ने कहा वह २०१३ में एक ऑडिशन के सिलसिले में विकी सिदाना से मिलने गई थीं। चुने जाने के बाद उन्हें बुलाया गया था। यह सब जल्दबाजी में हुआ और वह फाइनल नहीं थई तो उन्हें अपना टिकट बुक करवाने और रहने की व्यवस्था करने को कहा गया। उन्होंने टिकट बुक कर लिया लेकिन रहने के लिए विक्की सिदाना के ऑफिस से मदद मांगी। इस सिलसिले में जो महिला मेरे टच में थी उसने बताया कि उसने विकी से बात की है वह कुछ न कुछ इंतजाम कर देंगे। कृतिका के मुताबिक उन्होंने विकी को फोन किया तो उन्होंने कहा कि मेरी कई फीमेल फ्रेंड्स हैं तो मैं तुम्हारी व्यवस्था कर दूंगा। उन्होंने बताया कि मुंबई पहुंचने के बाद वह विकी के ऑफिस गई तो उन्होंने पहला सवाल किया, अगर मैं तेरी हेल्प करता हूं तो मुझे क्या मिलेगा। कृतिका ने बताया कि वह समझ गई कि वह क्या कहना चाहते हैं तो उन्होंने जवाब दिया, जाहिर सी बात है कि अगर इंडस्ट्री में मेरा नाम हो गया तो लोग कहेंगे कि आपने मुझे कास्ट किया था। इस पर विकी ने जवाब दिया, तू इसकी चिंता मत कर, मेरा नाम पहले से ही बहुत है, उसको भूल जा-तू मझे ये बता कि मेरे लिए क्या कर सकती है।

# देश में प्रमुख फसलों के उत्पादन में महिलाओं की भागीदारी 75 फीसदी: श्री राधामोहन सिंह

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में महिला किसान दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में महिलाओं का अहम योगदान है। आर्थिक रूप से सक्रिय 80 प्रतिशत महिलाएं कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। इनमें से लगभग 33 प्रतिशत मजदूरों के तौर पर और 48 प्रतिशत स्व-नियोजित किसानों के तौर पर कार्य कर रही हैं। एनएसएसओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लगभग 18 प्रतिशत खेतिहर परिवारों का नेतृत्व महिलाएं ही करती हैं। कृषि कार्यों के साथ साथ महिलाएं बागवानी, मछली पालन, कृषि वानिकी, पशुपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कार्यों में भी बखूबी अपना योगदान दे रही हैं।

उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से नौ राज्यों में किये गये एक अनुसंधान से पता चला है कि प्रमुख फसलों के उत्पादन में महिलाओं की भागीदारी 75 फीसदी तक रही है। बागवानी में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत और फसल कटाई के बाद के कार्यों में 51 फीसदी तक भागीदारी ग्रामीण महिलाओं की है। इसके अलावा, पशुपालन और मछली उत्पादन में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक है।

कृषि मंत्री ने बताया कि महिलाओं को कृषि की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा विभिन्न स्कीमों में महिलाओं के लिए बजट संबंधी वचनबद्धता को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न प्रमुख योजनाओं /कार्यक्रमों और विकास संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत महिलाओं के लिए 30ब से अधिक धनराशि का आवंटन किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृषि महिला संसाधन केंद्र द्वारा पुरुष कार्यक्रम संचालकों की मानसिकता और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए एक महिला संवेदनशील मॉड्यूल भी विकसित किया गया है। इसके माध्यम से वर्ष 2017-18 के दौरान कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के मैनेज, ई.ई.आई,समेती और अन्य संस्थानों द्वारा 222 कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 5645 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है । साथ ही 'आत्मा' कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 98.14 लाख से अधिक महिला किसानों को भी प्रशिक्षित किया जा चुका है ।

श्री सिंह ने बताया कि कृषक परिवार की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य, जो हमारे प्रधानमंत्री जी का सपना है, में भी महिलाओं की भूमिका एवं योगदान को विशेष महत्व दिया गया है । इसे ध्यान में रखते हुए डॉ. दलवई की अध्यक्षता में गठित अंतर-मंत्रालय समिति ने अपनी रिपोर्ट के ग्यारहवें अध्याय में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण पर अलग से एक अध्याय लिखा है ,जिसके कार्यान्वयन से महिलाएं अपने परिवार की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी। कृषि में महिलाओं की अहम भागीदारी को ध्यान में रखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर भी कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सहकारिता के क्षेत्र में सामूहिक क्रिया-कलापों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु राज्यों/ राज्य सहकारी संघों के माध्यम से भारत राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा महिलाओं के नियमित सहकारी शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके तहत पिछले दो वर्षों में सहकारिता के क्षेत्र में एन.सी.यू. आई. के अंतर्गत 38.78 लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 6.07 लाख महिलाएं व कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से 7 हज़ार महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। कुल मिलाकर 2016-17 व 2017-18 के दौरान कुल 53.34 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने बताया कि किसान महिलाओं के खाद्य सुरक्षा समूहों को समर्थन देने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा संशोधित आत्मा योजना के तहत घरेलू और सामुदायिक स्तर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महिलाओं के खाद्य सुरक्षा समूहों को 2 समूह / प्रति ब्लॉक की दर से तथा 10,000 रुपये प्रति समूह /प्रति वर्ष की दर से वित्तीय सहायता दी जा रही है।

अपने सम्बोधन के अंत में कृषि मंत्री ने समारोह में सम्मानित महिला कृषकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि महिला कृषक देश को कृषि की द्वितीय हरित क्रान्ति की ओर ले जाने के साथ-साथ देश के विकास का परिदृश्य बदलने में सराहनीय योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की महिला कल्याण नीतियों और ऐसी विशेष अभिरुचियो के चलते वह दिन दूर नहीं जब महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर एक सशक्त परिवार का निर्माण करेंगी ।

# रियलमी बिग बिलियन डेज़ सेल के दौरान 1 मिलियन फ़ोन बेचे गए

रियलमी, एक ऐसा स्मार्टफोन ब्रांड है जो युवाओं के लिए बढ़िया उत्पाद उपलब्ध कराने में माहिर है, और इसने फ्लिपकार्ट पर अब तक की पहली बिग बिलियन डेज़ सेल के दौरान 1 मिलियन स्मार्टफ़ोन बेचकर एक उपलब्धि हासिल की है। फ्लिपकार्ट के अनुसार डीडीबी सेल के दौरान इस प्राउड टू बी यंग ब्रांड ने स्मार्टफ़ोन बेचने में दूसरा स्थान पाया है। रियलमी सी1 ने फ्लिपकार्ट पर एक सेकंड में 110,000 फ़ोन बेचकर एक और उपलब्धि प्राप्त की है।

इस सेल के दौरान रियलमी फोन को मिली सफ़लता पर खुशी व्यक्त करते हुए, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रियलमी इंडिया, माधव शेठ ने कहा, रियलमी में, फ्लिपकार्ट पर चल रही हमारी अब तक की पहली बिग बिलियन डेज़ सेल के दौरान ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया से हम बेहद अभिभूत हैं। रियलमी ने फ्लिपकार्ट पर नंबर 2 का स्थान हासिल कर लिया है, लेकिन फिर भी, हमें लगता है कि हमने अपने चाहनेवालों के प्यार और अपेक्षाओं का सही आँकलन नहीं किया है। मुझे यह भी घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि रियलमी 2 ने केवल 40 दिनों में 1 मिलियन की बिक्री का आँकड़ा पार कर लिया है और अब भी 10 हज़ार रुपए से कम के वर्ग में सर्वोच्च स्थान लिए हुए है। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हर भारतीय के लिए सचमुच एक रियलमी है।(1-7)

# करियर के शुरुआत में हैरसमेंट का सामना करना पड़ा : सैफ

**मुंबई ,** बॉलिवुड् में चल रहे मी टू मूवमेंट के बाद कई ऐक्टर्स और जाने-पहचाने नामों पर सेक्शुअल हैरसमेंट के आरोप लगाया सामने आ रहे है। सबसे पहले इसकी शुरुआत तनुश्री दत्ता ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीनियर ऐक्टर नाना पाटेकर ने फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के सेट पर कथित तौर पर उनके साथ छेड़छाड़ की थी । इसके बाद आलोक नाथ, रजत कपूर, कैलाश खेर, विकास बहल, साजिद खान, अभिजीत जैसे कई नामचीन लोगों पर सेक्शुअल हैरसमेंट के आरोप लग चुके है।

अब इस मुद्दे पर ऐक्टर सैफ अली खान ने भी अपनी राय रखी है और कहा है कि वह ऐसे लोगों के साथ काम नहीं करेंगे जो महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते हैं। साथ ही, सैफ ने यह भी बताया है कि अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने भी ऐसे ही हैरसमेंट का सामना करना पड़ा था। मीडिया को दिए गए इंडरव्यू में सैफ ने कहा, मेरे करियर में मुझे भी हैरसमेंट का सामना करना पड़ा है। हालांकि यह घटना मेरे साथ २५ साल पहले हुई थी और मेरे अंदर अभी भी इसको लेकर नाराजगी है। अब में इस पर बात नहीं करना चाहता क्योंकि अब मैं महत्वपूर्ण नहीं हू बल्कि हमें अब महिलाओं का ख्याल रखना चाहिए क्योंकि वह इंसाफ मांग रही है।

जो भी हो रहा है अच्छा हो रहा है और इससे आपको लगता है कि कुछ तो हो रहा है। साजिद खान पर लगे आरोपों पर सैफ ने कहा, उन्हें ऐसा कुछ भी याद नहीं कि द हमशकल्स के सेट पर ऐसा कुछ हुआ हो और अगर हुआ है तो वह बर्दाश्त नहीं करते।

# नए सैमसंग इंडिया कैम्पेनने पेश किए अर्थपूर्ण इनोवेशन

**नई दिल्ली,** सैमसंग इंडिया ने अपना एक डिजिटल कैम्पेन लॉन्च किया है, जिसमें कंपनी ने एक मज़बूत कहानी के ज़रिए अपने डिजिटल वॉयस असिस्टेंट-बिक्सेबी की क्षमताओं को पेश किया है और जो दर्शकों को बेहद पसंद आई है। यह फि?ल्मज मोटर न्यूरॉन रोग (एमएनडी)/एएलएस से पीड़ित मरीज़ सोनल (नाम बदला गया) के जीवन से प्रेरित है, जिसने अपनी आवाज़ को अपनी बेटी के लिए बचाए जाने के लिए सैमसंग को एक पायलेट प्रोजेक्टर पर काम करने के लिए अपनी सहमति दी। इस फि?ल्मफ में दिखाया गया है कि एक मां जिसे मोटर न्यूरॉन रोग (एमएनडी)/एएलएस है, वह अपनी आवाज़ और चलने की क्षमता खो रही है, और कैसे सैमसंग अपनी एआई इनेबल्ड बिक्सोबी टेक्नो लॉजी को कस्ट माइज़ कर उनकी आवाज़ को एक सैमसंग स्माहर्टफोन में जिंदा रखने का काम कर रहा है ताकि उनके प्रियजन लगातार उनकी आवाज़ सुन सकें।

इस प्रोजेक्ट के लिए, सैमसंग रिसर्च इंस्टीएट्यूट, बेंगलुरु (एसआरआई-बी) ने एक कंपनी के साथ काम किया, जो कोर स्पी च टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट है। हमने एक अलग आवाज़ को रिकॉर्ड किया, और टीटीएस (टेक्ट् अ टू स्पीच) टेक्नोआलॉजी का उपयोग कर उस आवाज़ को एंड्रॉयड ओएस (सैमसंग स्मारर्टफोन) पर कम्पैटेबिलिटी के लिए टेस्ट किया। टाइज़न ओएस (रेफि?जरेटर, टेलीविजन) पर परीक्षण अभी चल रहा है। इस दौरान ही आशा एक होप फाउंडेशन की खोज हुई, जो भारत में एमएनडी/एएलएस के लिए पहला रजिस्टवर्ड एनजीओ है। यह गैर-लाभकारी संगठन मोटर न्यूरॉन रोग (एमएनडी) से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों की मदद करता है। यह उनके जीवन में उम्मीकद और सकारात्मोकता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जो उन्हीं बीमारी से बाहर निकलने के लिए सशक्तस बनाएगा।(1)

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, एच-47, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया।
फोन-26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

# प्रगति के लिए शांति पहली आवश्यकता - उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु ने कहा कि प्रगति के लिए शांति पहली आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है और पूरा विश्व देख रहा है। उपराष्ट्रपति आज नई दिल्ली में ''भारत की रणनीतिक संस्कृति, राष्ट्रीय मूल्य, हित और उद्देश्य'' विषय पर राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में व्याख्यान दे रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी मान्यता रही है कि पूरा विश्व एक बड़ा परिवार है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की हमारी भावना से इसका पता चलता है। उन्होंने कहा कि हम पृथ्वी पर शांति के साथ-साथ सम्पूर्ण ब्रह्मांड के लिए भी शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व हमारे विश्वास का एक घटक रहा है और हमें देश के कालातीत दृष्टिकोण से गौरवान्वित होना चाहिए, जो एक ऐसे विश्व के दृष्टिकोण में निहित है तथा यह आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम एक ऐसे विश्व में जी रहे हैं, जो उग्र विचारों, उग्र भावनाओं और उग्र कार्यों से आहत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे लिए एक बहुपक्षीय पहुंच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उग्रवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, महिलाओं पर हिंसा और कई अन्य रूपों में हिंसात्मक व्यवहार को ध्यान में रखते हुए एक सम्मिलित पहुंच की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि शांति के लिए शिक्षा और मिलकर रहने के लिए सीखना वर्तमान समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में निहित संवेदना, अनुकम्पा, सहनशीलता के मूल्यों वाली शिक्षा के बल पर विवाद और अनावश्यक हिंसा को रोका जा सकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम अलगाववादी, वामपंथी उग्रवाद की समस्याओं का सामना कर रहे हैं और देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने के लिए कुछ पृथकतावादी ताकतों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और भारत एक परिपक्व संसदीय लोकतंत्र है तथा बुलेट की तुलना में बैलट अधिक शक्तिशाली साबित हुआ है।

# प्रधानमंत्री ने तेल एवं गैस क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और सीईओ के साथ बैठक की

तेल और गैस क्षेत्र के भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। इस अवसर पर उपस्थिति हस्तियों में सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के मंत्रियों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों जैसे कि सऊदी अरामको, एडनॉक, बीपी, रोजनेफ्ट, आईएचएस मार्किट, पॉयनियर नेचुरल रिसोर्सेज कम्पनी, एमरसन इलेक्ट्रिक कम्पनी, तेलुरियन, मुबादाला इन्वेस्टमेंट कंपनी, श्लमबर्गर लिमिटेड, वुड मैकेंजी, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए), एनआईपीएफपी और ब्लूकिंग्स इंडिया के सीईओ एवं विशेषज्ञ भी शामिल थे। इसी तरह तेल एवं गैस की खोज, उत्पादन तथा विपणन में संलग्न भारतीय कंपनियों के सीईओ भी इस अवसर पर उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री श्री अरुण जेटली एवं श्री धर्मेन्द्र प्रधान और नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार के अलावा केन्द्र सरकार एवं नीति आयोग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

बातचीत के दौरान अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और सीईओ ने 'कारोबार में सुगमता', विशेषकर भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों में उठाए गए विभिन्न कदमों की सराहना की। विशेषज्ञों ने अपतटीय (अपस्ट्रीम) निवेश की दृष्टि से भारत की प्रतिस्पर्धी रैंकिंग में सुधार का उल्लेख किया जो 56वीं रैंकिंग से सुधरकर अब 44वीं रैंकिंग हो गई है। इस दौरान अनेक विषयों पर चर्चा हुई जिनमें भारत में तेल व गैस क्षेत्र से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करना, खोज एवं उत्पादन का दायरा बढ़ाना, सौर ऊर्जा एवं जैव ईंधनों में संभावनाएं ढूंढ़ना और ऊर्जा क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार की समग्र अवधारणा भी शामिल हैं। विशेषज्ञों ने इस तरह के संवाद की अनूठी पहल की सराहना की क्योंकि इसकी बदौलत विभिन्न हितधारकों को नीतिगत विषयों पर एकजुट होने का मौका मिला।

ऊर्जा क्षेत्र के वैश्विक विशेषज्ञों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने तेल एवं गैस बाजार में भारत की उल्लेखनीय हैसियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह बात रेखांकित की कि तेल बाजार का संचालन उत्पादकों द्वारा किया जा रहा है और इसकी मात्रा एवं मूल्य दोनों का ही निर्धारण तेल उत्पादक देश करते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो पर्याप्त उत्पादन किया जा रहा है, लेकिन तेल क्षेत्र में विपणन के लिए अपनाए जाने वाले अनूठे तरीकों के कारण तेल के मूल्य बढ़ गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य बाजारों की तर्ज पर तेल बाजार में भी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच साझेदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे बेहतरी के मार्ग पर अग्रसर वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी।

### साव और पंत ने भी लगाई लंबी छलांग

# आईसीसी रैंकिंग : विराट कोहली टॉप पर बरकरार

**दुबई,** भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी ताजा वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर १ टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं, जबकि पृथ्वी साव और ऋषभ पंत ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज समाप्त होने के बाद जारी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। इस साल के अंडर-१९ वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में टीम की अगुवाई करने वाले साव के लिए अपनी पदार्पण सीरीज में ही यादगार प्रदर्शन किया। हैदराबाद में ७० और नाबाद ३३ रन की २ पारियां खेलने के दम पर वह १३ पायदान ऊपर ६०वें स्थान पर पहुंच गए है। उन्होंने अपने पर्दापण मैंच में शतक जड़कर रैंकिंग में ७३वें स्थान पर प्रवेश किया था। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने ९२ रन की पारी के दम पर २३ स्थान की छलांग लगाई है और वह ६२वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दिल्ली का यह क्रिकेटर सीरीज के शुरू में १११वें स्थान पर था। उन्होंने राजकोट में पहले मैच में भी ९२ रन बनाए थे। अजिक्य रहाणे भी ८० रन की पारी के दम पर ४ पायदान ऊपर १८वें स्थान पर पहुंच गए है। गेंदबाजों में उमेश यादव को भी ४ स्थान का फायदा हुआ है और वह गेंदबाजी रैंकिंग में २५वें नंबर पर पहुंच गए है। उमेश भारतीय सरजमीं पर मैंच में दस विकेट लेने वाले केवल तीसरे गेंदबाज बने थे, जिससे उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। वेस्ट इंडीज की तरफ से कप्तान जैसन होल्डर ने सभी विभागों में अच्छी प्रगति की है। भारत की पहली पारी में ५६ रन देकर ५ विकेट लेने से वह गेंदबाजी रैंकिंग में ४ पायदान ऊपर ९वें स्थान पर पहुंच गए है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। बल्लेबाजी में भी अर्धशतक जमाने से वह तीन पायदान आगे ५३वें स्थान पर सफल रहे।